क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्षः 1 अंकः 257, शुक्रवार, 12 अक्टूबर, 2018, पेजः 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुछ इधर की, कुछ उधर की

जीके के इस्तीफे पर हो रही है सियासत

दिल्ली की सिख सियासत में इन दिनों जबरदस्त तूफान मचा हुआ है। तूफान का कारण है एक खबर। खबर यह है कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने इस्तीफा दे दिया है। मनजीत सिंह जीके खुद इस खबर का खंडन कर रहे हैं लेकिन इसके बावजूद लोगों को विश्वास नहीं है। इसकी वजह यह है कि पिछले कई दिनों से गुरुद्वारा कमेटी

में मतभेद उभरे हुए हैं। मनजीत सिंह जीके ने पद छोड़ने की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ फैसलों से मैं सहमत नहीं हूं। लेकिन मैं अनुशासन नहीं छोड़ सकता। इसलिए यह कहना गलत है कि मैंने इस्तीफा दे दिया हालांकि मनजीत सिंह जीके इस्तीफा न देने की बात कह रहे हैं लेकिन सच्चाई यह है कि उन्होंने अपना चार्ज उपाध्यक्ष हरमीत सिंह कालका को सौंप दिया है। वह कहते हैं कि मैं बाहर जा रहा हूं, इसलिए चार्ज कालका को दिया है। लौटने पर फिर से चार्ज ले लूंगा। दरअसल माना जाता है कि पंजाब की बारगड़ी गांव की घटना और डेरा सिरसा प्रमुख को माफी जैसे मसले पर पार्टी के साथ उनके मतभेद बने हुए हैं। बारगड़ी में गुरू ग्रंथ साहिब की बेअदबी को वह स्वीकार नहीं कर रहे। उनका मानना है उस घटना को अकाली दल बादल सही तरह से नही संभाल सका। इसी तरह डेरा प्रमुख सिरसा को किसी भी तरह माफ नहीं किया जा सकता।

मुख्य सचिव के मामले में फैसला सुरक्षित

दिल्ली के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश पर हमले के मामले में उन्हें स्पेशल सरकारी वकील मुहैया कराया जाए या नहीं, इस पर दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट 22 अक्टूबर को अपना फैसला सुनाएगी। मामले

की सुनवाई पूरी कर ली गई है लेकिन कोर्ट ने अपना फैसला रिजर्व रख लिया है। स्पेशल सरकारी वकील मुहैया कराने की अर्जी मुख्य सचिव अंशु प्रकाश ने दाखिल की थी और दिल्ली सरकार उनकी इस अर्जी का विरोध कर रही है। आपको बता दें कि 19 फरवरी की रात को सीएम अरविंद केजरीवाल के निवास पर मुख्य सचिव अंशु प्रकाश को एक मीटिंग के लिए बुलाया गया था। आरोप है कि मीटिंग में उनके साथ मारपीट की गई। मुख्य सचिव इस मीटिंग को बीच में ही छोड़कर चले गए थे और बाद में उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में दिल्ली पुलिस अदालत में चार्जशीट फाइल कर चुकी है। मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल और डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को भी अभियुक्त बनाया गया है। इसके अलावा 9 और विधायकों को भी अभियुक्त बनाया गया है। दिल्ली सरकार इस मामले में उन्हें जो सरकारी वकील मुहैया करा रही है, उससे मुख्य सचिव अंशु प्रकाश संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने दिल्ली सरकार से अनुरोध किया था कि उन्हें विशेष वकील दिलाया जाए लेकिन दिल्ली सरकार ने कहा था कि जो सरकारी वकील हैं, वही दिए जाएंगे। जाहिर है कि दिल्ली सरकार अपने ही खिलाफ कोई बड़ा वकील खड़ा नहीं करना चाहती। इसीलिए मुख्य सचिव ने पटियाला हाउस कोर्ट में अर्जी दाखिल की।

जो बोया वही तो काटेंगे

गुजरात में उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों पर कहर बरपाने का काम जारी है। इस मामले को लेकर कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले क्या कह रहे हैं उस पर चर्चा नहीं हो रही बल्कि बात यह हो रही है कि सत्ता पक्ष अब विपक्ष को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है। सोशल मीडिया पर धमकी देने वाले वीडियो को शेयर करने वाले मोहनजी ठाकोर को कांग्रेसी नेता बताया जा रहा है, जबकि पुलिस ने तकरीबन 4 सौ लोगों को गिरफ्तार करने की बात कही है। इनमें कितने कांग्रेसी हैं और कितने भाजपा के लोग इस पर भी विचार करने की बात कही जा रही है। समीक्षकों ने तो कहना शुरु कर दिया है कि इस मामले में भी सत्ता पक्ष अपने विरोधियों को सबक सिखाने के लिए उन्हें झूठे मामलों में फंसा सकता है और कानून व्यवस्था के नाम पर किसी पर भी कार्रवाई करवा सकता है। जबकि जानकार कह रहे हैं कि नफरत फैलाकर चुनाव जीतने के जो बीज पहले से गुजरात में बोए गए थे अब उसकी फसल पककर तैयार हुई है और उसे ही काटना होगा, क्योंकि नफरत से कभी प्यार और मोहब्बत नहीं पनपते, इसलिए नफरतों की इस फसल को पैदा करने वालों को ही सोचना होगा कि अब वो इसका सामना कैसे करेंगे और उनके पास इसका क्या बेहतर जवाब हो सकता है। मामला साबरकांठा जिले में एक 14 माह की बच्चे से रेप का है, जिसमें अपराधी को सख्त से सख्त सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन इसकी आड़ में जो अपराध हो रहे हैं वो भी काबिले बर्दाश्त तो नहीं ही हैं।

किन पर करें भरोसा

सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ बोलने वालों को सोशल मीडिया में देशद्रोही करार देते हुए उन पर हमले करना आम बात जैसी हो गई है। इस माहौल में खबर आती है कि उत्तराखंड के रहने वाले रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के इंजीनियर निशांत अग्रवाल को पाकिस्तान और अमेरिका को सीक्रेट जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोप है कि निशांत भारत के अति महत्वपूर्ण मिसाइल 'ब्रह्मोस' से जुड़ी जानकारी पाकिस्तान और अमेरिका को दे रहे थे। इस मामले को हनी ट्रेप से जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि इससे पहले भी इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। इसलिए कहने वाले तो यह भी कह रहे हैं कि जिम्मेदार पदों पर रहने वाले जब यह सब करेंगे तो फिर किन पर भरोसा किया जाए समझ से परे है। चूंकि मामला भारत-रूस के ज्वाइंट वेंचर ब्रह्मोस से जुड़ा बताया जा रहा है इसलिए इसमें और सतर्कता बरतने की आवश्यकता है, क्योंकि एक बार विश्वास टूटा तो फिर कहने को कुछ रह नहीं जाता है।

यूपी में यह कैसी कार्रवाई

उत्तर प्रदेश से खबर है कि योगी सरकार ने अपनी पूर्व की अखिलेश सरकार की चार हजार उर्दू शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. प्रभात कुमार ने बकायदा आदेश भी जारी कर दिए हैं। इस भर्ती को रद्द करने की वजह बताते हुए कहा गया है कि प्राइमरी स्कूलों में मानक से ज्यादा उर्दू शिक्षक तैनात हैं इसलिए अब इन पदों पर भर्ती की आवश्यकता नहीं है। गौरतलब है कि शिक्षकों के 16 हजार 460 रिक्त पदों में से 4 हजार पदों को उर्दू शिक्षकों के लिए अलग किया गया था, लेकिन अब इन पदों पर भर्ती नहीं की जाएगी, क्योंकि इन्हें रद्द किया जा चुका है। जबकि हाईकोर्ट ने इस भर्ती को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए हुए हैं, फिर यूपी सरकार की यह कार्रवाई किसी के गले नहीं उतर रही है। सवाल यह है कि रिक्त पदों में भर्ती को आखिर मानक से ज्यादा कैसे बताया जा सकता है?

पाक का आर्थिक संकट

पाकिस्तान में एक तरफ आर्थिक भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनके परिजनों पर शिकंजा कसा हुआ है तो दूसरी तरफ देश के अंदर बढ़ते भुगतान संतुलन के संकट से निपटने की खातिर इमरान सरकार ने अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष यानी आईएमएफ की शरण लेना बेहतर समझा है। दरअसल पाक सरकार ने बेलआउट पैकेज के लिए आईएमएफ से मदद मांगने की घोषणा की है। सवाल यह है कि अमेरिका पहले ही आईएमएफ को चेतावनी जारी कर चुका है और पाकिस्तान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं, ऐसे में उसकी मदद कौन और कैसे करेगा? पाकिस्तानी समीक्षकों ने यह भी पूछा है कि प्रधानमंत्री इमरान खान आईएमएफ से मदद लेने के पहले पक्ष में नहीं रहे हैं और इसलिए उन्होंने पूर्व सरकारों पर निशाना भी साधा था, लेकिन अब ऐसा क्या हुआ कि वो खुद मदद की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं। बहरहाल कहने वाले कुछ भी क्यों न कहें, लेकिन यह हकीकत है कि जब तक अमेरिका नहीं चाहेगा पाकिस्तान को कोई भी आर्थिक मदद नहीं मिल पाएगी।

पाकिस्तान में फंसा बेटे का शव, विदेशी मंत्री के घर से मां को भगाया

नई दिल्ली (संवाददाता)। भले ही विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के ट्वीट से कई लोगों को जिंदगी मिल गई हो, वहीं एक मां को अपने बेटे का पाकिस्तान से शव लाने के लिए घर से दुत्कार के भगा दिया गया। दिल्ली में मिले दर्द को सिसकते हुए बयां कर रही सलीम की मां। अपने बेटे सलीम को हिंदुस्तान की मिट्टी में दफनाने की जिद में पिछले 1 महीने से दर-दर की ठोकरें खा रही हैं, लेकिन मदद के दरवाजे बंद मिले। सलीम के पिता कबीर की माने तो सुषमा स्वराज की कोठी में अफसरों ने तर्क दिया कि बॉर्डर पर टेंशन है। पाकिस्तान की नई सरकार से भारत का तालमेल नहीं है। ऐसे में पहल कैसे हो। इसी की वजह से सलीम का शव फंस गया है। सलीम की मां गुलनाज परवीन का कहना है कि रफाइलें लेकर अब तक दिल्ली में भटकते हुए बहुत खर्च हो गया। परिवार में पोते-पोतियों के लिए सिर्फ एक भैंस बची थी, उसे बेचकर अब दिल्ली आए। 10 दिन पहले विदेश मंत्री की कोठी से ही टाइम दिया गया था कि मैडम यूएन गई हैं, 2 अक्टूबर के बाद मिलेंगी।' उन्होंने आगे कहा वे कश्मीर से 3 अक्टूबर को ही दिल्ली आ गए। रोज मंत्री जी की कोठी के बाहर सामान लेकर उम्मीद में बैठे रहे, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। वह आगे बोलीं, '2 कैनल खेती की जमीन बची है, उसे भी हम बेच देंगे, लेकिन बेटे का शव मिल जाए। पाकिस्तान ने उनके बेटे के शव को कब्रिस्तान के बजाय नाले के पास रेत में गाड़ दिया है। उस जगह पर एक डंडा लगा दिया है, ताकि शव भारत भेजने के दौरान जगह को पहचाना जा सके।

गौरतलब है कि जम्मू से लेह प्रॉजेक्ट पर ले जा रहे गैस टैंकर पर राजौरी जिले के ही ड्राइवर शौकत, जब्बार और हेल्पर के तौर पर कबीर का बेटा सलीम थे। ऐसे टैंकर 7 जून को करगिल के हरदास ब्रिज से गैस टैंकर खाई में खिसक कर 'दरिया ए सिंध' नदी के तेज बहाव में बह गया। करगिल थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। एक महीने बाद टैंकर पर लिखे मोबाइल नंबर से पाकिस्तान से कॉल चमन को मिली। तब हादसे के बारे में पता चला। दो शव तो नहीं मिले, लेकिन गले में चेन से सलीम के शव की पहचान हुई। बेटे के शव को वापस लाने की मशक्कत में सलीम के माता-पिता राज्य के कमिश्नर, सांसद, एमएलए के लिखे लेटर की फाइलें लेकर चक्कर काट रहे हैं। जेएंडके राज्य की तरफ से इसी 14 सितंबर को एक फाइल विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को भेजी गई, मगर विदेश मंत्री से मदद नहीं मिल सकी।

किसानों को पराली जलाने से रोकने को जिम्मेदारी से काम करें राज्य : केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने दिल्ली के पड़ोसी राज्यों पंजाब और हरियाणा से गुरुवार को अपील की कि वे प्रदूषण नियंत्रित करने की दिशा में धान की पराली जलाए जाने से रोकने के लिए पूरी गंभीरता तथा जिम्मेदारी से काम करें। केंद्रीय पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि केंद्र सरकार हर स्तर पर मामले की निगरानी कर रही है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मैं अपील और प्रार्थना कर रहा हूं। मुझे उम्मीद भी है कि राज्य इस मुद्दे पर पहले की अपेक्षा अधिक गंभीरता और जिम्मेदारी से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने राज्यों के मंत्रियों और अधिकारियों से इस बारे में बैठकें की हैं और किसानों को जरूरी उपकरण 15 अक्टूबर तक वितरित करने को कहा है।

हर्षवर्धन ने कहा कि इसके लिए केंद्र सरकार पहले ही 500-600 करोड़ रुपये दे चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्यों से इस मसले पर गंभीरता से काम करने को कहा गया है। नौ अक्टूबर तक के आंकड़ों के अनुसार, पराली जलाने के मामले इस साल 2016 और 2017 की तुलना में काफी कम रहे हैं।

केंद्र सरकार के राज्यों के संपर्क में होने की बात कहते हुए हर्षवर्धन ने कहा कि यह एक ऐसा मुद्दा है जिसके लिए हमें जागरूकता तथा सामाजिक कार्यक्रम बढ़ाने की जरूरत है। सरकार को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। यदि दिल्ली इस कारण दिक्कत में होती है तो देश की अंतरराष्ट्रीय छवि खराब होती है।

हर्षवर्धन ने कहा कि किसानों और राज्यों के लिए संदेश बेहद साफ है कि यदि पंजाब और हरियाणा में पराली जलाई जाती है तो सिर्फ दिल्ली पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन राज्यों में भी हवा प्रदूषित होगी और लोग फेंफड़े की बीमारी तथा सांस की दिक्कतों से प्रभावित होंगे। अंततरू लोगों को स्वस्थ रखना हर किसी की जिम्मेदारी है।

यह पूछे जाने पर कि क्या पंजाब इस मुद्दे पर सहमत नहीं होगा, उन्होंने कहा कि मैं एक आशावादी इंसान हूं और वे क्यों सहमत नहीं होंगे? यह किसी का व्यक्तिगत एजेंडा नहीं होकर सभी लोगों का एजेंडा है। मंत्री लाइट इंडिया प्रदर्शनी में बोल रहे थे। इस मौके पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने उद्योग जगत से विनिर्माण एवं निर्यात बढ़ाने के लिए काम करने को कहा।

चीन ने की भारत से हाथ मिलाने की पहल

नई दिल्ली (संवाददाता)। अमेरिका के साथ चल रही ट्रेड वॉर के बीच चीन ने ट्रेड प्रॉटेक्शनिज्म (संरक्षणवाद) से लड़ने के लिए भारत के आगे दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। अमेरिकी अधिकारियों ने भी हाल में आपसी संबंध सुधारने के लिए बीजिंग का दौरा किया था।

दुनिया के दो सबसे बड़े विकासशील देशों चीन और भारत की अर्थव्यवस्था अहम पड़ाव पर है। अधिकारियों ने कहा कि चीन और भारत दोनों की भलाई इसमें है कि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और मुफ्त व्यापार व्यवस्था को बचाया जाए। राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावोस में वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और मुक्त व्यापार की रक्षा के लिए एकसाथ आवाज उठाई थी। अधिकारियों ने दावा किया कि इस मामले में चीन और भारत के एक साथ खड़े होने की कई वजहें हैं।

एयरपोर्ट सुरक्षा के लिए बड़ा खतरना बना ड्रोन कैमरों का व्यावसायिक इस्तेमाल

नई दिल्ली (संवाददाता)। ड्रोन कैमरे के व्यावसायिक इस्तेमाल की केन्द्र सरकार द्वारा इज़ाजत देने के बाद कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिसमें निजी ड्रोन कैमरे एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश कर गए। जिसकी वजह से एयरपोर्ट से संचालित की जाने वाली हवाई सेवाओं को कुछ समय के लिए बाधित करना पड़ा। सुरक्षा एजेंसियां इसे बड़ा खतरा मानती हैं और इससे निपटने के लिए खास रणनीति तैयार कर रही हैं। सीआईएसएफ यानि ङ्सेंट्रल इंडस्ट्रियल पुलिस फोर्सङ्ग की जिम्मेदारी देशभर के एयरपोर्ट की सुरक्षा सुनिश्चित करने की है। इसलिए वह अनधिकृत ड्रोन कैमरों को एयरपोर्ट सीमा में रोकने की रणनीति पर काम कर रही है। सीआईएसएफ के महानिदेशक (डीजी) राजेश रंजन ने बताया देश के सौ एयरपोर्ट पर जल्द ही ऐसे उपकरण लगाए जाएंगे जो ड्रोन कैमरे के प्रवेश को एयरपोर्ट पर रोकेंगे। इस संदर्भ में सीआईएसएफ संबधित एजेंसियों और सिक्युरिटी कंपनियों से बातचीत कर रही है। ऐसे सिक्युरिटी सिस्टम एयरपोर्ट पर लगाने का विचार किया जा रहा है जो इन ड्रोन कैमरों के सिग्नल को निष्क्रिय कर उन्हे मार गिराएंगे। राजेश रंजन ने बताया कि इसके अलावा विमान हाईजैकिंग के खतरे को भी सुरक्षा एजेंसिया बहुत बड़ा मानती हैं। लगातार उन्हें ऐसे खतरों को लेकर इनपुट मिलते रहते हैं और इन एलर्ट की तादात पिछले कुछ सालों में और ज्यादा बढ़ी है। सीआईएसएफ डीजी के मुताबिक इस खतरे से निपटने को लेकर भी सुरक्षा एजेंसियां पुख्ता रणनीति पर काम कर रही हैं।

रिहायशी क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों का संचालन दुर्भाग्यपूर्ण : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली में गैरकानूनी औद्योगिक इकाइयों को रोकने के लिए एक निगरानी समिति गठित होने के 14 साल बाद भी इनमें से करीब पांच हजार इकाइयां अब भी रिहायशी इलाकों में चल रही हैं।

दिल्ली के मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति ने जस्टिस मदन बी. लोकुर और दीपक गुप्ता की बेंच को आश्वासन दिया कि इस तरह की अवैध इकाइयों को 15 दिन के अंदर सील किया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि रिहायशी इलाकों में गैरकानूनी रूप से चल रहीं इस तरह की सभी औद्योगिक इकाइयों को 15 दिन में बंद किया जाएगा और उनके बिजली तथा पानी कनेक्शन काटे जाएंगे।

समिति ने सुप्रीम कोर्ट में सौंपी रिपोर्ट में कहा था कि इस साल अगस्त तक 15888 अवैध इकाइयों को बंद किया जाएगा। बेंच ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि 14 साल बाद भी, संबंधित प्राधिकार, मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, नगर निगम आयुक्त और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष इन अवैध इकाइयों को बंद नहीं करा सके।

बेंच ने अपने आदेश में कहा कि अब, यह कहा गया है कि 15 दिन में आवश्यक काम किया जाएगा। बेंच ने इस मामले में आगे की सुनवाई के लिए 26 नवंबर की तारीख तय की है और समिति से यह सुनिश्चित करने को कहा कि 15 दिन में इन औद्योगिक इकाइयों को सील करने के उसके फैसले का अनुपालन हो। बेंच ने समिति से इस संबंध में उनके फैसले के अनुपालन पर प्रगति रिपोर्ट 13 सितंबर को दायर करने को भी कहा।

सस्ता हुआ विमान का ईंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमान के ईंधन या एटीएफ की कीमतों में गुरुवार को 2.6 प्रतिशत की कटौती लागू हो गई। सरकार के ईंधन पर उत्पाद शुल्क कटौती के फैसले के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। इससे विमान का ईंधन पेट्रोल और डीजल से भी सस्ता हो गया है।

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में एटीएफ का दाम 1,962 रुपये प्रति किलोलीटर घटाया गया है। यहां इसके दाम 2.6 प्रतिशत की कमी के साथ 72,605 रुपये किलोलीटर (72.6 रुपये प्रति लीटर) पर आ गए हैं।

मुंबई में एटीएफ 74,177 रुपये प्रति किलोलीटर से 72,225 रुपये किलोलीटर पर आ गया है। पेट्रोल की तुलना में एटीएफ पहले से सस्ता है। अब यह डीजल से भी सस्ता हो गया है।

सरकार ने बुधवार को विमानन उद्योग को राहत देते हुए जेट ईंधन पर उत्पाद शुल्क 14 से घटाकर 11 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। इस महीने जेट ईंधन जनवरी 2014 से सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा था।

जुलाई से जेट ईंधन की कीमतों में 9.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल जुलाई से इसका दाम 58.6 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि दाम घटने के बावजूद एटीएफ की कीमत मार्च, 2017 से सबसे ऊंचे स्तर पर है।

गंगा के लिए आमरण अनशन कर रहे स्वामी सानंद का एम्स में निधन

नई दिल्ली (संवाददाता)। गंगा की अविरलता और निर्मलता को बनाए

रखने के लिए विशेष एक्ट पास कराने की मांग को लेकर आमरण अनशन कर रहे स्वामी ज्ञान स्वरूप सानंद का आज दोपहर बाद एम्स ऋषिकेश में निधन हो गया। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश को स्वामी सानंद अपना शरीर दान कर गए हैं। एम्स के जनसंपर्क अधिकारी हरीश थपलियाल ने इस बात की पुष्टि की है। डॉक्टरों के मुताबिक कमजोरी और हार्ट अटैक से स्वामी सानंद का निधन हुआ है। स्वामी सांनद को बुधवार को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया था। लगातार कई महीनो से अनशन पर बैठे स्वामी सांनद ने मंगलवार को जल भी त्याग दिया था।

भारत-अमेरिका परमाणु करार से घरेलू विद्युत संयंत्रों को ईंधन की मदद मिली

नई दिल्ली (संवाददाता)। ऐतिहासिक भारत-अमेरिका परमाणु करार के एक दशक बाद विशेषज्ञों ने कहा है कि इस समझौते से भारत में किसी विदेशी ने रियक्टर नहीं लगाया लेकिन इससे घरेलू विद्युत संयंत्रों को ईंधन के सिलसिले में और रणनीतिक क्षेत्रों में अहम प्रौद्योगिकी तक भारत की पहुंच कायम करने में मदद मिली। इसने भारत को मजबूत परमाणु अप्रसार साख के साथ जिम्मेदार परमाणु हथियार संपन्न देश की पहचान भी दी।

पुलिस निगरानी में रहेंगे आम्रपाली निदेशक

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आम्रपाली समूह के सीएमडी सहित तीन निदेशकों के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी कर उनसे चार सप्ताह में जवाब मांगा। कोर्ट ने आम्रपाली समूह के तीन निदेशकों को शुक्रवार सुबह आठ बजे से पहले नोएडा सेक्टर 62 के थाना प्रभारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने नोएडा के एसएसपी को आम्रपाली के तीन निदेशकों को शाम छह बजे के बाद होटल पार्क एसेंट ले जाने का निर्देश दिया जहां उनके मोबाइल फोन जब्त किये जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तीन निदेशक पुलिस हवालात की बजाय अगले 15 दिन तक सेक्टर-62 के होटल पार्क एसेन्ट में रात गुजारेंगे। कोर्ट ने कहा कि आम्रपाली के तीन निदेशक हमेशा पुलिस निगरानी में रहेंगे। अदालत ने नोएडा पुलिस को निर्देश दिया कि आम्रपाली समूह के तीनों निदेशकों को उन सील की गई संपत्तियों पर ले जाया जाये जहां जब्त किये गये दस्तावेज सूचीबद्ध करके रखे जाएंगे। कोर्ट ने अगले 15 दिनों में दस्तावेजों को सूचीबद्ध करने के लिए सुबह आठ से शाम छह बजे तक सील की गई संपत्तियां खोलने के निर्देश दिये। अदालत ने कहा कि कुर्क संपत्ति को पुलिस और फॉरेंसिक ऑडिटरों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में खोला जाएगा। आम्रपाली समूह ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि उसकी नोएडा, ग्रेटर नोएडा और बिहार के राजगीर तथा बक्सर स्थित नौ संपत्तियों को शीर्ष अदालत के आदेशानुसार सील कर दिया गया है।

जूता-चमड़ा उद्योग को केन्द्र सरकार का विशेष पैकेज

नई दिल्ली (संवाददाता)। केन्द्र सरकार ने चमड़ा और जूता उद्योग के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तैयार करने के लिए एक विशेष पैकेज को मंजूरी दी है।

इस पैकेज में वर्ष 2017-20 के लिए 2600 करोड़ रु की लागत की मंजूरी से केन्द्रीय क्षेत्र की योजना-इण्डियन फूटवियर, लेदर और ऐसेसरीज डेवलपमेंट प्रोग्राम (आईएफएलएडीपी) का कार्यान्वयन शामिल है। इस योजना का लक्ष्य चमड़ा उद्योग के लिए आधारभूत सुविधाओं का विकास करना, चमड़ा उद्योग से जुड़ी पर्यावरण संबंधी चिंताओं का समाधान करना, अतिरिक्त निवेश को आसान बनाना, रोजगार सृजन करना और उत्पादन बढ़ाना है।

कर प्रोत्साहनों में वृद्धि होने से इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होंगे और श्रम कानून में सुधार होने से इस क्षेत्र से अर्थव्यवस्था में योगदान बढ़ेगा। आईएफएलएडीपी के तहत तमिलनाडु में चमड़ा उद्योग पर प्रमुखता से जोर देते हुए औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग द्वारा 117.33 करोड़ रुपये की कुल लागत से 4 परियोजनाएं मंजूर की गई हैं।

रक्षा राज्यमंत्री सुभाष भामरे ने वायुसेना कमांडर सम्मेलन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (संवाददाता)। रक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष भामरे ने आज नई दिल्ली में वायु सेना मुख्यालय वायु-भवन में दूसरे द्विवार्षिक वायु सेना कमांडर सम्मेलन का उद्घाटन किया। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल बी एस धनोआ पीवीएसएम एवीएसएम वाईएसएम वीएम एडीसी ने रक्षा मंत्री का स्वागत किया और वायु सेना कमांडरों का उनसे परिचय करवाया। रक्षा राज्य मंत्री ने सम्मेलन के उद्घाटन पर वायु सेना कमांडरों को संबोधित किया और उन्होंने हिंद महासागर तटीय क्षेत्र (आईओआर) में भारत को सुरक्षा प्रदाता के रूप में सक्षम बनाने के लिए वायु सेना द्वारा निभाई जाने वाली अहम भूमिका पर बल दिया, जो प्रधानमंत्री के 'सागर' (सभी क्षेत्रों के लिए सुरक्षा एवं वृद्धि) सिद्धांत के अनुरूप है। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि भारतीय वायु सेना भारत की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए प्रौद्योगिकीय क्षमता से लैस त्वरित कार्रवाई करने वाला सैन्य बल है। रक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि भारतीय वायु सेना नेतृत्व कई तरह से स्वदेशीकरण को प्रोत्साहन दे रहा है, जो अत्यंत सराहनीय है। वायु सेना स्वदेशी एलसीए कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका पता इस बात से चलता है कि वह एलसीए की 18 स्क्वाड्रन प्राप्त कर रहा है। वायु सेना भारत के स्वदेशी बायो-जेट ईंधन कार्यक्रम को प्रोत्साहन देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिससे भारत के कच्चे तेल के आयात बिल में निश्चित रूप से 10 प्रतिशत से अधिक की कटौती होगी तथा किसानों की आय में काफी बढ़ोतरी होगी।

वायु सेना प्रमुख ने कहा कि वायु कमियों के गहन प्रशिक्षण की आवश्यकता है, ताकि वायु सेना की संचालन क्षमता बेहतर हो सके। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारतीय सेना और भारतीय नौसेना के साथ वायु सेना का संयुक्त अभ्यास होना चाहिए।

दुशान्बे में एससीओ सम्मेलन में शामिल होंगी सुषमा स्वराज

नई दिल्ली (संवाददाता)। विदेशमंत्री सुषमा स्वराज बृहस्पतिवार से दुशान्बे में हो रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दो दिवसीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। जिसमें अहम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के अलावा आतंकवाद से मुकाबला करने में परस्पर सहयोग से संबंधित चर्चा के केंद्र में रहने की संभावना है। एससीओ शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक में सीरिया, अफगानिस्तान और कोरियाई प्रायद्वीप की स्थिति की समीक्षा होने की संभावना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दुशान्बे में विदेश मंत्री एससीओ शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक शामिल होंगी। जून, 2017 में भारत के एससीओ का पूर्णकालिक सदस्य बनने के बाद शासनाध्यक्ष परिषद की यह दूसरी बैठक है। विदेश मंत्रालय ने कहा, नेता एससीओ के और विकास की संभावना पर चर्चा करेंगे तथा वर्तमान अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर गहराई से विचार विमर्श

गलत हो तो आवाज उठाएं : राधे मां

नई दिल्ली (संवाददाता)। नाना पाटेकर और तनुश्री के विवाद के साथ शुरू हुआ मी-टू अभियान के चलते अब तक कई दिग्गजों के नाम सुर्खियों में आ चुके हैं। नाना पाटेकर, आलोक नाथ, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं। राधे मां ने भी इस पर अपने विचार रखे हैं।एक कार्यक्रम के दौरान वहां मौजूद पत्रकारों ने राधे मां से पूछा कि नाना और आलोकनाथ जैसी कई बड़ी शख्सियतों पर यौन शोषण के आरोप लगे हैं, इस पर आप क्या कहेंगी। इस पर राधे मां ने कहा कि मेरी महिलाओं को यही सलाह है कि जब उनके साथ कुछ गलत होता है तो उसी समय आवाज उठाएं। राधे मां ने मी-टू का समर्थन करते हुए कहा कि महिलाओं को गलत के खिलाफ बोलने का पूरा अधिकार है।

सीआईसी का वार्षिक सम्मेलन आज

नई दिल्ली (संवाददाता)। कार्मिक मंत्रालय के एक बयान में बताया गया है कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शुक्रवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के वार्षिक सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। कार्मिक मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि डाटा प्राइवेसी और सूचना का अधिकार, आरटीआई कानून में संशोधन और आरटीआई कानून के क्रियान्वयन पर 13 वें वार्षिक सम्मेलन पर चर्चा की जाएगी। डाटा प्राइवेसी और सूचना का अधिकार, आरटीआई कानून में संशोधन और आरटीआई कानून के क्रियान्वयन जैसे तीन महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श होगा। सूचना आयुक्त प्रोफेसर एम एस आचार्युलू और बिमल जुल्का, दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति उपेंद्र बक्शी, आरटीआई कार्यकर्ता वेंकटेश नायक और सुभाष चंद्र अग्रवाल समेत अन्य लोग इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। राज्य सूचना आयोग के मौजूदा और पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त, केंद्रीय जन सूचना अधिकारी सहित अन्य सरकारी अधिकारी हिस्सा लेंगे। बयान के मुताबिक आरटीआई कार्यकर्ता और आरटीआई कानून के क्रियान्वयन से जुड़े एनजीओ भी सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

सने स्टार और राजनीतिज्ञों के बाद ''मी टू'' में फसा क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी) । मी टू में मामले में फसने वालों में सिने स्टार और राजनीतिज्ञों के बाद अब क्रिकेट के खिलाड़ी भी आते दिख रहे हैं। पूर्व श्री लंकाई कप्तान और वर्तमान सरकार में पैट्रोलियम मंत्री अर्जुन रणतुंगा पर एक भारतीय एयर होस्टेस ने सोशल मीडिया के जरिये आरोप लगाया है कि एक होटल में रणतुंगा ने उनके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की थी। एयर होस्टेस ने लिखा कि उसने इस बारे में होटल स्टाफ से शिकायत भी की थी, लेकिन स्टाफ ने यह कहते हुए मदद करने से इनकार कर दिया कि यह तुम्हारा निजी मामला है।

एयर होस्टेस ने लिखा, 'मुझे और मेरी मेरी सहकर्मी को मुंबई के होटल जुहू सेंतूर में भारत और श्री लंका के क्रिकेटर दिखे। हम ऑटोग्राफ लेने के मकसद से उनके पास गए। मेरी साथी एक भारतीय किकेटर के साथ स्विमिंग पूल की ओर चली गई। जैसे ही मैं अकेली हुई रणतुंगा ने मेरी कमर को पकड़ा और मेरे ब्रेस्ट को छूने लगे। मैंने चीखते हुए उनके पैरों में लात मारकर खुद छुड़ाया।ङ्ग महिला ने लिखा- उनकी गिरफ्त से आजाद होते ही रिसेप्शन पहुंची और अर्जुन रणतुंगा की शिकायत की। लेकिन वहां होटल स्टाफ ने मुझे यह कहकर इनकार कर दिया कि यह तुम्हारा निजी मामला है। हम कुछ नहीं कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका को 1996 में वर्ल्ड कप जीताने वाले अर्जुन रणतुंगा को श्री लंका के सबसे महान क्रिकेटरों में गिना जाता है। उनके नाम 5,105 टेस्ट रन और 7,456 वनडे रन हैं।

उपराज्यपाल ने पुलिस और दिल्ली सरकार को दिए सख्ती के निर्देश

विशेष संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट एवं गुमशुदा बच्चों के संबंध में उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, दिल्ली के पुलिस आयुक्त और बाकी अफसरों ने हिस्सा लिया।

मीटिंग में विशेष पुलिस आयुक्त (क्राइम) ने उपराज्यपाल को दिल्ली में मानव तस्करी से निपटने के लिए उठाए गए उपायों के बारे में बताया। इनमें प्रभावित क्षेत्र, इसमें लिप्त व्यक्ति और उनके खिलाफ उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताया गया। इसके अलावा तत्काल राहत, कौंसलिंग, मेडिकल हैल्प और लांग टर्म रिहैबीलिटेशन के बारे में भी बतया गया। उपराज्यपाल को बताया गया कि कैसे पुलिस प्रशिक्षण कालेज में पुलिसकर्मियों को मानव तस्करी जैसे अपराध से निपटने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अंतर्राज्यीय स्तर पर बैठक में सूचनाओं का आदान-प्रदान, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों पर तैनात पुलिसकर्मियों को नियमित रूप से इन अपराधों को रोकने के लिए संवेदनशील बनाना जैसी बातें भी बताई गई। यह भी बताया गया कि पुलिस स्टेशन कोतवाली में पूरी दिल्ली के लिए एक केन्द्रीकृत मिसिंग पर्सन स्कवैड काम कर रहा है। जिले में भी इस तरह की यूनिट बनाई जा रही हैं। इसके लिए फोन नंबर 1094 एवं 23241210 पर भी गुमशुदा लोगों की सूचना दी जाती है।

उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि क्राइम ब्रांच और लोकल पुलिस को एक सूचनातंत्र विकसित करना चाहिए ताकि उन गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करनी चाहिए जो जबरदस्ती बच्चों को भीख मांगने के धंधे में धकेलते हैं। 'पहचान स्कीम' एवं 'आपरेशन मिलाप' के तहत छुड़ाये गए बच्चों के अभिवावकों में सुरक्षा की भावना विकसित करने के लिए दिल्ली पुलिस को उनसे नियमित मिलना चाहिए। उन्होंने दिल्ली पुलिस को लापता बच्चों के आंकड़ों का विश्लेषण करने एवं जिन बच्चों को ढूंढा नहीं जा सका है, उनकी जांच करने के निर्देश दिए। ढूंढे गए बच्चों का भी विश्लेषण किया जाना चाहिए और इसका भी आंकड़ा बनाना चाहिए कि वे किस जगह से प्राप्त किए गए हैं।

उपराज्यपाल ने समाज कल्याण विभाग को भीख मांगने को हतोतसाहित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बेगर्स होम्स की संख्या उनमें सुविधाओं को और बढ़ाएं एवं उसे रहने लायक बनाएं। समाज कल्याण विभाग बेगर्स होम में कौशल विकास केन्द्र एवं डी-एडीक्शन सेंटर स्थापित करे।

संपादकीय

सनसनीखेज आरोप

टू अब जंगल की आग की तरह फैल रहा है। हालांकि अभी भी उतनी बड़ी संख्या में मामले आए नहीं हैं जितनी मीडिया में इसकी चर्चा हो रही है। कुल जमा आठ से दस आरोप। हो सकता है कुछ और ऐसे ही सनसनीखेज आरोप हमारे सामने आए। मी टू को अब शी टू, ही टू और यू टू में परिणत कराने की कोशिश हो रही है। केंद्रीय मंत्री एमजे अकबर का नाम आने के कारण यह राजनीति का भी मुद्दा बन गया है। एक महिला पत्रकार ने उन पर भी महिला पत्रकारों के यौन शोषण का अभ्यस्त होने का आरोप लगा दिया है। उनके इस्तीफा तक की मांग हो रही है। प्रश्न है कि इसे किस रूप में देखा जाए? हमारा मानना है कि देश में ऐसी स्थिति होनी चाहिए, जिसमें किसी लड़की या महिला को जीवन-यापन का उपयुक्त अवसर पाने या अपनी प्रतिभा को दर्शाने के लिए शरीर शोषण का सामना न करना पड़े। ऐसी स्थिति का न होना किसी भी सभ्य समाज पर कलंक है। यह भी सच है कि गांवों से लेकर कस्बों और शहरों तक लड़कियों/महिलाओं की ऐसी बड़ी संख्या होगी, जिनको कभी-न-कभी यौन दुराचार का शिकार होना पड़ा है। राजनीति से साहित्य, कला, फिल्म, टेलीविजन और मीडिया ही नहीं आम जनजीवन में ऐसी पीड़ित महिलाएं हैं। यह हमारे समाज का एक क्रूर सच है। किंतु वर्तमान अभियान में अभी तक ज्यादातर उच्च मध्यम वर्ग या सोशलाइट माने जाने वाली कुछ महिलाएं ही सामने आई हैं, जिनमें से ज्यादातर मुक्त यौनाचार की वकालत करती रहीं हैं। हालांकि मुक्त यौनाचार का अर्थ यह नहीं कि कोई किसी को इसके लिए मजबूर करे। ऐसा हुआ है तो यह अपराध है और वैसे पुरुष के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। किंतु यह नहीं हो कि एक समय आपके संबंध बहुत अच्छे थे, आपने सहमति से सहवास किया और आगे जब संबंध खराब हो गए तो आप उसे यौन शोषण का मामला बना दें। अगर कोई महिला/लड़की आरोप लगा दे तो उस पुरुष का कोई स्पष्टीकरण हम सुनने के लिए तैयार नहीं होते। यह स्थिति भी ठीक नहीं। अगर किसी महिला को अपने साथ हुए यौनाचार के लिए न्याय मांगने का अधिकार है तो पुरुष को भी अपना पक्ष रखने का अधिकार है। कोई निष्कर्ष निकालने के लिए पहले हमें दोनों पक्ष को सुनना चाहिए। न्याय सबके लिए समान है। अगर महिला/लड़की को यौन दुराचार में इंसाफ चाहिए तो किसी पुरुष को बदनाम करने या किसी अन्य कारण से आरोपित किया गया है तो इंसाफ की जरूरत उसे भी है।

चुनौतियों से निपटना

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने इस महत्त्वपूर्ण नियंतग्र संगठन के ढांचे और कार्यपणाली में सुधार करने का सुझाव दिया है, जो मौजूदा दौर की अहम जरूरत है। हालांकि लंबे समय से भारत सहित अनेक सदस्य देशों ने स्वीकार किया है कि यह संगठन मौजूदा दौर की परिस्थितियों के अनुकूल नहीं है, बावजूद इसके महाशक्तियों के बीच अनवरत रूप से जारी सत्ता की राजनीति के कारण इसके संरचनात्मक और प्रक्रियागत ढांचे में सुधार की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई है। उन्नीस सौ पैंतालिस में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी। तब पचास देश इसके सदस्य थे, और आज करीब एक सौ नब्बे से ज्यादा देश। आज विश्व की भू-राजनीति बदल रही है। आतंकवाद, साइबर क्राइम जैसे नये किस्म के अपराधों के साथ-साथ नियंतग्र स्तर पर सशस्त्र संघर्ष तेज हुआ है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से गठित इस संस्था की संरचना और कार्यपणाली में समय की मांग के अनुरूप सुधार नहीं हो पाया है। ऐसा ही चलता रहा तो इस संगठन का भी वही हश्र होगा जो प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित राष्ट्र संघ का हुआ था। गौरतलब है कि राष्ट्र संघ द्वितीय विश्व युद्ध रोक पाने में बुरी तरह विफल हुआ था। द्वितीय विश्व युद्धके भयानक परिणामों को भुगतने के बाद संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी। बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की चुनौतियों से निपटने में यह प्रभावशाली साबित नहीं हो पा रहा है। इसीलिए भारत समेत अनेक देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने या मौजूदा स्थायी सदस्यों को प्राप्त वीटो अधिकार को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन इस मुद्दे पर सभी देशों की सहमति नहीं बन पा रही। नई दिल्ली लंबे समय से सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की मांग कर रही है, लेकिन अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, रूस और चीन जैसे पांच स्थायी सदस्यों की सत्ता राजनीति के चलते बात नहीं बन पा रही। इन पांचों देशों की जिम्मेदारी बनती है कि इस संगठन को चुनौतियों से निपटने लायक बनाने के लिए भारत समेत जर्मनी, जापान जैसे देशों को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाने के लिए आगे बढ़कर पहल करें। ऐसा नहीं होता है तो संयुक्त राष्ट्र भी राष्ट्र संघ की तरह नई चुनौतियों से निपटने में निष्प्रभावी होकर रह जाएगा।

सत्संग

कायिक आयु

बुढ़ापा क्यों और कैसे आता है? इससे निजात कैसे पाया जाए? इस विषय पर देश विदेश की विभिन्न शोधशालाओं में गहन अनुसंधान कार्य चल रहे हैं। अधिकांश मामलों में देखा जाता है कि व्यक्ति की बायोलॉजिकल एज (कायिक आयु) उसकी क्रोनोलॉजिकल एज (मियादी आयु) से बढ़ी चढ़ी होती है। आखिर उसका कारण क्या है? बुढ़ापा असमय क्यों आ धमकता है? इन सभी बातों के सूक्ष्मता से अध्ययन के लिए ''जरा विज्ञान' अथवा ''जेरानटोलॉजी' नामक विज्ञान की शाखा की शुरुआत की गई है, जिसमें वैज्ञानिक इस बात को खोजते हैं कि क्या इस स्थिति को कुछ काल तक टाला जा सकता है? किन्तु ऐसा तभी सम्भव है जब वैज्ञानिक इसके कारणों का पता लगा सकें और इसके पीछे काम करने वाले कारणों को उद्घाटित कर सकें। इस दिशा में प्रयास जारी है। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि शरीर में जल्दी ही अशक्तता के लक्षण प्रकट होने का कारण शरीर कोशाओं में होने वाली म्यूटेशन की प्रक्रिया है। इस सिद्धान्त के अनुसार म्यूटेशन से प्रभावित कोशाएं फिर अपनी ही जैसी कोशाओं को जन्म देने लगती हैं, जिनकी क्रियाएं असामान्य होती हैं, फलत: शरीर में विपरीत लक्षण प्रकट होने लगते हैं। एक अन्य मत के अनुसार ऐसा क्रास लिंकिंग के कारण होता है, जिसमें महत्त्वपूर्ण अणुओं के बीच बड़े पैमाने पर बंध (बौण्ड) का निर्माण हो जाता है। इन बंधों के कारण कोशाएं आगे अपना सहज स्वाभाविक क्रियाकलाप जारी नहीं रख पातीं और त्वचा, रक्त वाहिनियां कठोर बनने लगती हैं। वैज्ञानिकों के एक बड़े समूह का विचार है कि ऐसा व्यक्ति के स्वयं के रहन-सहन, चिन्तन-मनन एवं पर्यावरण प्रभाव के कारण होता है। उनके अनुसार अचिन्त्य चिन्तन का दुष्प्रभाव आरम्भ में तंत्रिका कोशाओं पर पड़ता है और बाद में फिर अन्य तंत्रों की कोशाएं प्रभावित होती चली जाती हैं। योग और आयुर्वेद के प्राचीन आचायरे ने पूर्व से ही इसके लिए योग और आयुर्वेद के अवलम्बन का परामर्श दिया है। अब वैज्ञानिक निष्कर्ष भी वहीं आ पहुंचा। अब वे भी योग आसन, ध्यान धारणा की सलाह दे रहे हैं। अन्तत: वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है कि थकान रहित व्यायाम, सरल योगासन और ध्यान धारणा ही वह उपाय हैं जो असमय बुढ़ापा से निजात दिला सकते हैं।

''इकोनोमिस्ट'

अंग्रेजी की लोकप्रिय ''वोग' पत्रिका में उन्होंने अपने इस पूरे अनुभव का बयान अकबर को प्रथम पुरु ष ''डियर बॉस' से संबोधित करते हुए किया है। इसमें वे लिखती हैं कि ''उस रात तो मैं बच गई। आपने मुझे काम पर लगाया, कई महीनों तक मैंने आपके यहां काम किया लेकिन तभी अपने मन में मैंने यह शपथ ले ली थी कि आपके साथ कभी कमरे में अकेले नहीं रहूंगी।' 8 अक्टूबर को ही प्रसिद्ध पत्रकार स्वाति चतुर्वेदी ने भी एक ट्वीट करके काफी विस्तार के साथ ''फर्स्ट पोस्ट' में प्रकाशित इसी कहानी को बयां किया है, जिसमें एक ख्यात अखबार के ''संस्थापक संपादक' और मुंबई के होटल के कमरे का ही जिक्र है। उस संपादक का बिना नाम दिए इतना जरूर कहा गया है कि वह अभी सरकार में एक ऊंचे पद पर है।

सतीश पेडणोकर

''टेलीग्राफ' पत्रिका के संस्थापक संपादक और वर्तमान केंद्रीय मंत्री का इस सिलसिले में जिस प्रकार नाम सामने आया है, उससे निश्चित तौर पर इस आंदोलन की गर्मी के बढ़ने के संकेत मिलते हैं। जैसा कि स्वाति की रिपोर्ट में ही बताया गया है कि प्रिया रमानी के पिता ने उन्हें पहले ही उस संपादक के चरित्र के बारे में सावधान कर दिया था। उसी प्रकार, इस क्षेत्र के अन्य लोग भी इस संपादक के चरित्र से अच्छी तरह वाकिफ होंगे। उनके और भी किस्से आ सकते हैं टू' अभियान ने क्रमश: भारत में अपने विस्तार के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। आज के ''टेलीग्राफ' में एक पत्रकार प्रिया रमानी के ट्वीट को अखबार की प्रमुख सुर्खियों में स्थान दिया गया है, जिसमें उन्होंने वर्तमान विदेश राज्यमंत्री एमजे अकबर पर सीधा आरोप लगाया है कि किस प्रकार 1994 में जब अकबर ''टेलीग्राफ' पत्रिका के संपादक थे, मुंबई में एक होटल के कमरे में नौकरी के लिए साक्षात्कार लेते वक्त उन पर टूट पड़े थे। अंग्रेजी की लोकप्रिय ''वोग' पत्रिका में उन्होंने अपने इस पूरे अनुभव का बयान अकबर को प्रथम पुरु ष ''डियर बॉस' से संबोधित करते हुए किया है। इसमें वे लिखती हैं कि ''उस रात तो मैं बच गई। आपने मुझे काम पर लगाया, कई महीनों तक मैंने आपके यहां काम किया लेकिन तभी अपने मन में मैंने यह शपथ ले ली थी कि आपके साथ कभी कमरे में अकेले नहीं रहूंगी।' 8 अक्टूबर को ही प्रसिद्ध पत्रकार स्वाति चतुर्वेदी ने भी एक ट्वीट करके काफी विस्तार के साथ ''फर्स्ट पोस्ट' में प्रकाशित इसी कहानी को बयां किया है, जिसमें एक ख्यात अखबार के ''संस्थापक संपादक' और मुंबई के होटल के कमरे का ही जिक्र है। उस संपादक का बिना नाम दिए इतना जरूर कहा गया है कि वह अभी सरकार में एक ऊंचे पद पर है। स्वाति ने भी यही बताया है कि जब पत्रकारिता के क्षेत्र में कोई व्यक्ति कदम रखता है, और किसी अखबार की ख्याति अगर शिखर पर हो तो उसमें काम का मौका पाना किसी भी नौजवान पत्रकार के लिए एक मूल्यवान अवसर होता है। उस समय इन संपादक ने मौके का लाभ उठा कर इस नौजवान पत्रकार के शरीर पर टूट पड़ने की कोशिश की। स्वाति ने अपनी कहानी में पत्रकार का नाम नहीं बताया है, लेकिन आज के टेलीग्राफमें वह नाम खुल कर सामने आ गया है। जाहिर है कि बॉलीवुड में तनुश्री दत्ता ने नाना पाटेकर के संदर्भ अपने अनुभव का जिक्र करके भारत में इस जिस नये ''मी टू' अभियान की शिखा जलाई है, उसकी रोशनी अब क्रमश: हमारे समाज के दूसरे अंधेरे कोनों को भी प्रकाश में लाने लगी है। ''इकोनोमिस्ट' पत्रिका ने (29 सितम्बर-5 अक्टूबर, 2018) अंक में ''मी टू' को अपनी कवर स्टोरी बनाया है, और इससे समाज के कथित संभ्रांतों और ताकतवरों द्वारा अपने पद और अधिकारों का प्रयोग करके औरतों का शोषण करने के निकृष्ट आचारणों के उद्घाटनों की गहनता और व्यापकता को देखते हुए यहां तक लिखा है कि ''यह एक ऐसा आंदोलन है, जिसका प्रारंभ एक कथित बलात्कारी से हुआ है, लेकिन यह औरतों की समानता के लिए उन्हें मतदान के अधिकार के बाद एक सबसे शक्तिशाली बल साबित हो सकता है।' यह आंदोलन साल भर पहले हॉलीवुड के एक बड़े फिल्म निर्माता हार्वे वींस्टन की कहानी से शुरू हुआ था, जब एक के बाद एक अभिनेत्रियों ने उसकी फिल्म में काम पाने के लिए उसे अपने शरीर को सौंपने के दर्दनाक अनुभवों को बयां करना शुरू किया। वींस्टन एक आदतन बलात्कारी है, इसे कई सालों से हॉलीवुड के लोग जानते थे, लेकिन वह इतना ताकतवर था कि कोई बोलने का साहस नहीं कर पा रहा था। लेकिन इस एक साल में ही अब अमेरिका में इस बद्धमूल मान्यता को करारी चोटें लग रही हैं। अब वहां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ऐसे निरंकुश ताकतवरों की पशुता के किस्से सामने आने लगे हैं, बल्कि सिर्फअमेरिका में ही नहीं, सारी दुनिया में इसका सिलसिला चल पड़ा है। अभी अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में ट्रंप ने एक जज की नियुक्ति की-ब्रेट कावनॉ की। उस पर भी यह अभियोग लगा कि कई दशक पहले जब वह छात्र था, उसने एक लड़की पर कामुक हमला किया था। यह अभियोग क्रिस्टीन ब्लासे फोर्ड नाम की महिला ने लगाया।

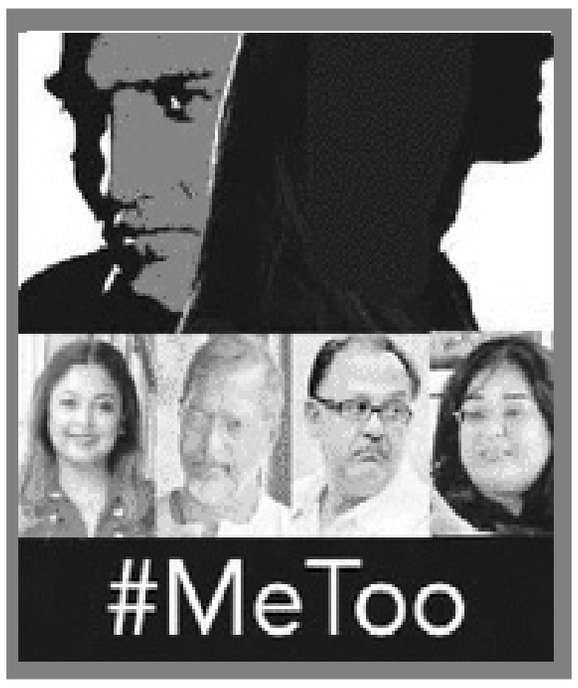

इस उद्घाटन के बाद अमेरिका में तहलका मच गया। अमेरिकी सीनेट की न्याय कमेटी के सदस्यों ने कावनॉ से सीधे पूछताछ की और उसकी नियुक्ति पर आशंका के बादल मंडराने लगे थे। अभी दो दिन पहले जब उसकी नियुक्ति पर अंतिम मोहर लगी तो कई हलकों से उसे अमेरिका के इतिहास का एक काला दिन बताया गया। यह पूरा घटनाक्रम ''मी टू' आंदोलन के तेजी से विस्तार के संकेत दे रहा है।

इसका अंतिम हश्र क्या होगा, कोई नहीं कह सकता। लेकिन अमेरिकी समाज के लिए इसे इसलिए सबसे बड़ी बात माना जा रहा है क्योंकि यह दर्शाता है कि उस समाज में सकारात्मक और प्रगतिशील परिवर्तन की भूख आज भी बाकायदा बची हुई है। ''इकोनोमिस्ट' ने इसका बुरा पक्ष यह भी बताया है कि कहीं यह ''मी टू' आंदोलन भी औरतों के शरीर से जुड़ी कहानियों पर चटखारे लेने वाली उपभोक्तावादी संस्कृति की खुराक न बन जाए! लेकिन अमेरिका के विभिन्न स्तरों पर इस बारे में औरतों की अपनी गवाहियों को जितनी गंभीरता से लिया जा रहा है, वह इस आंदोलन का सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण आयाम है। अन्यथा अब तक तो इस प्रकार के अभियोग लगाने वाली औरतों को ही समाज में बदचलन घोषित करके दुष्चरित्र पुरुषों के पापों को ढकने की परिपाटी चलती आ रही है। अदालतों के कठघरों में औरतों को जलील करना वकीलों के लिए आम बात रही है। भारत में भी तनुश्री दत्ता ने अनायास ही सभ्यता विमर्श से जुड़े इस महत्त्वपूर्ण आंदोलन की एक लौ जला दी है। इसीलिए हमने कल अपनी एक पोस्ट में लिखा था कि हमारे सामाजिक इतिहास में उन्हें इसके लिए हमेशा याद रखा जाएगा। अब क्रमश: इससे हमारे समाज में आगे और कैसा और कितना आलोड़न पैदा होगा, यह तो भविष्य ही बताएगा।

लेकिन आज ''टेलीग्राफ' पत्रिका के संस्थापक संपादक और वर्तमान केंद्रीय मंत्री का इस सिलसिले में जिस प्रकार नाम सामने आया है, उससे निश्चित तौर पर इस आंदोलन की गर्मी के बढ़ने के संकेत मिलते हैं। जैसा कि स्वाति की रिपोर्ट में ही बताया गया है कि प्रिया रमानी के पिता ने उन्हें पहले ही उस संपादक के चरित्र के बारे में सावधान कर दिया था।

इस क्षेत्र के अन्य लोग भी इस संपादक के चरित्र से अच्छी तरह वाकिफ होंगे। उनके और भी किस्से आ सकते हैं। यह राजनीति, पत्रकारिता, मीडिया, अध्यापन, न्यायपालिका और अन्य सभी बड़े संस्थानों में स्त्रियों के साथ बदसलूकी के सवालों को सामने लाने का सबब बनेगा; आगे इसके संदर्भ में कानूनी प्रावधानों के परिणाम भी निकलेंगे। और इससे पैदा होने वाला आलोड़न समग्र रूप से अंतत: हमारे समाज को अंदर से सबल और स्वस्थ बनाएगा। देखिए-''हर शाख पे उल्लू बैठा है, अंजामे गुलिस्ता क्या होगा!'

चलते चलते

चुनाव

संसद और विधानसभाओं के चुनाव लड़ने के लिए आपका परिवार और वंश काम आता है, जाति काम आती है, धर्म काम आता है, क्षेत्रवाद काम आता है, आपकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि काम आती है, वैसे ही दिल्ली विविद्यालय में चुनाव लड़ने के लिए बुद्ध भी काम आते हैं।

सिर्फ शांति पाने के ही काम नहीं आते जी। बुद्ध चुनाव लड़ने के भी काम आते हैं। जैसे संसद और विधानसभाओं के चुनाव लड़ने के लिए आपका परिवार और वंश काम आता है, जाति काम आती है, धर्म काम आता है, क्षेत्रवाद काम आता है, आपकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि काम आती है, वैसे ही दिल्ली विविद्यालय में चुनाव लड़ने के लिए बुद्ध भी काम आते हैं। हालांकि अकेले उन्हीं से काम नहीं चलता। जाति-बिरादरी यहां भी चाहिए। आपकी जेब का भारीपन भी चाहिए। पर बुद्ध भी जरूरी हैं। बताते हैं कि दिल्ली विविद्यालय में यह आम प्रैक्टिस है कि जो भी छात्र नेता बनना चाहता हो, छात्र संघ का चुनाव लड़ना चाहता हो, वह बुद्धिस्ट स्टडीज में दाखिला ले लेता है। बुद्धम शरणम गच्छामी! आखिर तो पुराना मंत्र है। इसलिए वे तमाम छात्र जिन्हें भावी नेता बनना है बुद्ध की शरण में चले जाते हैं। यहां भेदभाव नहीं है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस संगठन से चुनाव लड़ रहे हैं। कई बार तो सभी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी बुद्धिस्ट स्टडीज के ही होते हैं। बुद्ध ने लड़ना नहीं सिखाया। जो लड़-लड़कर मर लिये, तंग आ गए, वे आखिर में बुद्ध की शरण गए कि अब नहीं लड़ना। पर दिल्ली विविद्यालय की बात और है। यहां बुद्धिस्ट स्टडीज लड़ना सिखाती है। युद्ध नहीं तो चुनाव लड़ना तो जरूर ही सिखाती है। वैसे तो बुद्ध भी मल्टीपर्सपज हैं। वह परमाणु बम फोड़ने के भी वक्त भी काम आते हैं और मुस्कुराने लगते हैं और दिल्ली विविद्यालय का चुनाव लड़ने के भी काम आते हैं। जाति व्यवस्था से तंग आए लोगों को भी अपनी शरण में लेते हैं और पढ़ाई-लिखाई से तंग आए लोगों को भी अपनी शरण में ले लेते हैं-चल क्यों परेशान हो रहा है बुद्धिस्ट स्टडीज में दाखिला ले ले। कइयों का तो यहां तक भी मानना है कि यहां पढ़ाई-लिखाई के प्रमाणपत्र भी नहीं देखे जाते। हां, अगर जीत गए तो अलग बात है। इधर सुना है बुद्धिस्ट स्टडीज में सभी की डिग्रियां चेक हो रही हैं। पर यह कैसे चेक हो सकता है? नेताओं का देशप्रेम और गरीबों के प्रति प्रेम कहां चेक होता है? प्रेम की परीक्षा प्रेम कहानियों में होती है। चुनावों में नहीं होती और बुद्ध आजकल चुनाव के ही ज्यादा काम आ रहे हैं। कम-से-कम दिल्ली विविद्यालय में तो यही हो रहा है।

फोटोग्राफी...

मैसूर में बुधवार को राज परिवार के सदस्य यदुवीर कृष्णादत्ता चामराज दशहरा उत्सव के मौके पर एक धार्मिक क्रिया में हिस्सा लेते हुए।

ऑफ लाइन सूचनाएं

केंद्रीय सूचना आयुक्त ने बीसीसीआई को सूचना के अधिकार कानून के दायरे में लाने की घोषणा की है। साथ ही सूचना आयुक्त ने बीसीसीआई से 15 दिनों में आरटीआई कानून के तहत 15 दिनों के भीतर ऑनलाइन और ऑफलाइन सूचनाएं देने की पणाली विकसित करने को कहा है। बीसीसीआई के कुछ अधिकारी इस कार्रवाई के लिए बीसीसीआई के संचालन के लिए गठित प्रशासकों की समिति को मान रहे हैं। उनका कहना है कि सीआईसी की जुलाई में हुई सुनवाई में बीसीसीआई से पूछा गया था कि उन्हें आरटीआई के दायरे में क्यों नहीं आना चाहिए? बीसीसीआई आरटीआई कानून के दायरे में आने से बचने के लिए अक्सर दलील देता रहा है कि वह सरकार से कोई वित्तीय मदद नहीं लेता है और स्वायत्त संगठन है, इसलिए उसके ऊपर यह कानून लागू नहीं होता। पर सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई मामले पर सुनवाई के दौरान उसकी इस दलील को नहीं माना था। अदालत का मानना था कि बीसीसीआई सरकार से टैक्स में छूट हासिल करता है। बीसीसीआई हमेशा पारदर्शी अंदाज में काम करने की बात कहता रहा है। अगर ऐसा है तो वह आरटीआई कानून के दायरे में आने से क्यों बचना चहता है। असल में दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड की बहुत सी जानकारियां हासिल करने पर लोगों की निगाह लगी हुई हैं। अब आप अंदाजा लगाएं कि करुण नायर जैसे खिलाड़ी को चयन समिति इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज खेलने के लिए भेजती है और वहां खेलने का मौका दिए बगैर ही वेस्ट इंडीज के खिलाफदो टेस्ट की घरेलू सीरीज में बाहर कर दिया जाता है। अगर बीसीसीआई आरटीआई के दायरे में होता तो चयन समिति की बैठक में करुण नायर को लेकर क्या बात हुई, इस बारे में सवालों की लाइन लग सकती थी। बीसीसीआई चयन मामलों को हमेशा ही गोपनीय रखने का पक्षधर रहा है। उसने कभी भी यह बताने की जरूरत महसूस नहीं की है कि घरेलू क्रिकेट में ढेरों रन बनाने वाले और विकेट लेने वाले कुछ खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में क्यों नहीं स्थान बना पाते हैं? यही नहीं रंगत में खेलकर भी रोहित शर्मा जैसा क्रिकेटर टेस्ट टीम में क्यों नहीं स्थान बना पाता है? हां, इतना जरूर है कि बीसीसीआई के आरटीआई के दायरे में आते ही टीमों का चयन जरूर विवादास्पद बनने लगेगा। हमेशा जिस संगठन में ज्यादा पैसा होता है, उसे लेकर लोगों के मन में जिज्ञासा रहती ही है। बीसीसीआई भी इससे बचा हुआ नहीं है। देश में क्रि केट को लेकर दीवानगी है। टीम प्रबंधन विदेशी दौरों पर किस आधार पर अंतिम एकादश का चयन करता है। इस चयन को लेकर भी जानकारी मांगी जा सकती है। बीसीसीआई असल में इन सवालों से बचने के लिए ही आरटीआई के दायरे में आने से बचता रहा है। मुझे याद है कि 2012 में तत्कालीन खेल मंत्री अजय माकन ने बीसीसीआई को खेल विधेयक के दायरे में लाने का भरसक प्रयास किया। लेकिन बीसीसीआई में उस समय राजनेताओं का दबदबा था और उन्होंने अजय माकन के प्रयासों पर पानी फेर दिया था। मौजूदा समय बीसीसीआई की मुश्किल यह है कि उसका संचालन सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति के पास है, जिसके मुखिया विनोद राय हैं और वह हमेशा ही बीसीसीआई को आरटीआई के अंतर्गत लाने के पक्षधर रहे हैं। जस्टिस लोढा का तो कहना है कि लॉ कमीशन की सिफारिश 2016 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के हिसाब से ही थीं। इन सभी बातों से यह तो साफ लगता है कि बीसीसीआई का अब इसके दायरे से बचना थोड़ा मुश्किल है।

लखनऊ डबल मर्डर केस के हत्यारोपी शिवम ने खुद को गोली से उड़ाया

लखनऊ । लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में दो सगे भाइयों इमरान गाजी और उसके भाई अरमान के हत्यारोपी शिवम ने बुधवार देर शाम गोमतीनगर स्थित एक मकान में गोली मारकर खुदखुशी कर ली। शिवम ने यह कदम तब उठाया जब क्राइम ब्रांच की टीम उसको पकड़ने के लिए उस मकान को घेर लिया था। इस हादसे के बाद पकड़ने गई टीम के हाथपांव फूल गए, जैसे तैसे दूसरे आरोपी उमेश को पकड़ा और उच्चाधिकारियों को सूचना दी। दोनों अपराधियों को आश्रय देने वाले किराएदार को भी हिरासत में लिया गया है।लखनऊ एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि शिवम और उसके दोस्त उमेश कुमार ने 3 अक्टूबर की रात इमरान गाजी और उसके भाई अरमान की हत्या कर दी थी। जिसके बाद से दोनों आरोपी गोमतीनगर के विराम खंड में छिपे होने की सूचना दी थी।

इस पर अभिसूचना इकाई के पुलिस उपाधीक्षक राधेश्याम राय व क्षेत्राधिकारी हजरतगंज के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच, एंटी डकैती स्क्वॉयड व अन्य पुलिसकर्मियों की टीम दोनों आरोपियों की तलाश में भेजी गई थी। पुलिस की टीम विराम खंड-5 में स्थित एक मकान पर पहुंची थी कि प्रथम तल पर छिपे शिवम सिंह को भनक लग गई। बालकनी से पुलिस के देख शिवम कमरे में घुसा और तमंचे से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज पर पुलिस टीम ने आननफानन में उमेश को दबोचने के साथ उच्चाधिकारियों को सूचना दी।

दोहरे हत्याकांड के आरोपी द्वारा खुद को गोली से उड़ा लेने की सूचना पर लखनऊ परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुजीत पांडेय व पुलिस के अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। चिन्ना से पूछताछ के साथ उसे ठाकुरगंज थाने भेजा। फोरेंसिक टीम बुलाकर छानबीन की। साक्ष्य संकलित करने के बाद शिवम के शव को मॉर्च्युरी भेजा। दोहरे हत्याकांड के बाद से अंडरग्राउंड शिवम के परिवारीजनों को उनके परिचितों के माध्यम से सूचना दी गई है।

कल्पना तिवारी ने ओएसडी पद के नियुक्ति पत्र पर किए हस्ताक्षर

लखनऊ । विवेक तिवारी की पत्नी कल्पना तिवारी को न्यू हैदराबाद स्थित आवास पर नगर निगम में ओएसडी पद का नियुक्ति पत्र सौंपा गया। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, कैबिनेट मंत्री आशुतोष टण्डन, महापौर संयुक्ता भाटिया, विधायक डा. नीरज बोरा, डीएम, नगर आयुक्त की मौजूदी में कल्पना तिवारी ने नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर किए। ओएसडी पद की पे स्केल 56100 से 1,77,500 है। लखनऊ के गोमती नगर में देररात विवेक तिवारी की सिपाही प्रशांत चौधरी ने हत्या कर दी थी। इसके बाद से यूपी सरकार लगातार कल्पना का समर्थन कर रही है। मुआवजे के साथ ही सरकार ने कल्पना तिवारी को नगर निगम में ओएसडी बनाए जाने का आश्वासन दिया था।

विवेक तिवारी हत्याकांड की अभी भी जांच की जा रही है। आरोपी सिपाहियों को बर्खास्त कर जेल भेजा जा चुका है। कल्पना तिवारी ने सरकार से मिल रही मदद पर संतुष्टि जाहिर की थी।

उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्या सहित कई मंत्री और विधायक हादसे के बाद पीडति परिवार से मिलने पहुंचे थे और उन्हें मदद का भरोसा दिलाया था। कल्पना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी। प्रदेश सरकार ने विवेक तिवारी की बेटियों की शिक्षा व भविष्य के लिए पांच-पांच लाख रुपये की भी मदद की थी।

सिपाही भर्ती के समय मनोवैज्ञानिक टेस्ट की व्यवस्था है या नहीं- हाईकोर्ट

लखनऊ । हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने पुलिस महानिदेशक सहित राज्य सरकार से जानना चाहा है कि पुलिस वालों की भर्ती के समय क्या कोई मनोवैज्ञानिक टेस्ट अथवा प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था है अथवा नहीं। अदालत ने अभी हाल में हुए विवेक तिवारी हत्याकांड के बावत जानना चाहा है कि पुलिस भर्ती परीक्षा में अथवा समय-समय पर दिए जाने वाले प्रशिक्षण में मनोवैज्ञानिक परीक्षण किया जाता हैं अथवा नहीं ?

यह आदेश न्यायमूर्ति डीके अरोडा व न्यायमूर्ति राजन रॉय की खण्डपीठ ने याची लोकेश कुमार खुराना द्वारा दायर जनहित याचिका पर दिए हैं। राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अपर महाधिवक्ता विनोद कुमार शाही व स्थाई अधिवक्ता क्यू एच रिडवी ने बताया कि राज्य सरकार पुलिस भर्ती से लेकर आम लोगों की सुरक्षा सहित अनेक पहलुओ पर स्वयं में गम्भीर निर्णय ले रही हैं।जनहित याचिका दायर कर मांग की गई हैं कि आम जनता की सुरक्षा को गौर करते हुए सरकार ऐसे कदम उठाए जिससे लोगों को सुरक्षा व शांति मिल सके। यह भी कहा कि हाल में हुए विवेक तिवारी हत्याकांड जैसी घटनाओं की पुनरावृति न हो। हालांकि सुनवाई के समय अदालत ने याची से भी कहा कि वह याचिका को संशोधित करे।अपर महाधिवक्ता वी के शाही ने बताया कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार से अदालत ने जानकारी तलब करते हुए यह पूछा है कि 23 अक्टूबर को बताए कि पुलिस भर्ती में मनोवैज्ञानिक शिक्षा व प्रशिक्षण की व्यवस्था है कि नहीं। कहा कि पुलिस प्रशिक्षण की क्या प्रकिया है इससे भी अदालत को अवगत कराएं।

इस गांव के पास है 72 घंटे में 242 शौचालय बनाने का रिकॉर्ड

लखनऊ । रायबरेली का डिजिटली स्मार्ट गांव तौधकपुर इस समय केंद्र और प्रदेश सरकार की नजरों में है। इस गांव के विकास मॉडल को अन्य गांवों में लागू करने की तैयारी हैं। ग्राम्य विकास विभाग तौधकपुर के मॉडल पर अब पूरे प्रदेश में ऐसे गांवों का चयन करने जा रहा है जहां के लोग अच्छे पदों और कारोबार में देश-विदेश में हैं।

गांवों के चयन के बाद इन लोगों के सहयोग से गांव के समग्र विकास का खाका खींचा जाएगा। जिसमें इन सक्ष्म लोगों को सहयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा। ग्राम्य विकास आयुक्त नागेंद्र प्रसाद सिंह का कहना है कि गांव स्मार्ट होंगे तभी देश स्मार्ट होगा। तौधकपुर के विकास मॉडल का विभाग अध्ययन करेगा। कोई भी गांव तभी स्मार्ट हो सकेगा जब वहां के लोग भी गांव के विकास में सहयोग करेंगे। ऐसे गांवों का सर्वे विभाग कराएगा जहां के सक्ष्म लोग गांवों के विकास में सहयोग कर सकते हैं।

इस गांव को डिजिटली स्मार्ट बनाने में यहां के निवासी रजनीश शंकर वाजपेयी का अहम रोल है। श्री वाजपेयी कैलिफोर्निया में साफ्टवेयर इंजीनियर हैं। उन्होंने गांव के हर हिस्से को सीसीटीवी से जोड रखा है। गांव में पब्लिक एड्रेसिंग सिस्टम है। ग्राम प्रधान कार्तिकेय शंकर गांव वालों को हर तरह की सूचनाएं इसी माध्यम से देते हैं। इसके साथ ही गांव का अपना ऐप 'स्मार्ट गांव तौधकपुर' है। इस ऐप के माध्यम से ही गांव वाले अपनी समस्याएं प्रधान तक पहुंचाते हैं। अब बच्चों को निश्शुल्क कंप्यूटर शिक्षा देने की तैयारी चल रही है।3500 की आबादी और 368 घरों वाला तौधकपुर एक साल पहले से ही ओडीएफ गांव है। इस गांव में महज 72 घंटे में ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत 242 शौचालयों का निर्माण कर गांव को ओडीएफ घोषित किया गया था। इससे पहले यह रिकॉर्ड आंध्रप्रदेश के एक गांव का था, इस गांव में 100 घंटे में शौचालय बनाए गए थे।

गांव में जगह-जगह डस्टबीन लगाए गए हैं। तीन सफाईकर्मी दिनभर गांव की सफाई में जुटे रहते हैं। सडकें पक्की हैं। 18 घंटे गांव को बिजली मिल रही है। 75 फीसदी घरों में रसोई गैस कनेक्शन है। गांव का सरकारी प्राइमरी स्कूल कान्वेंट स्कूलों की तरह साफ-सुथरा और सुविधाओं से लैस है। बिजली, पंखा, सीसीटीवी और वाईफाई स्कूल में है। स्कूल के साथ ही पंचायत भवन में भी सोलर पैनल लगे हैं।

पीएम मोदी ने मन की बात में किया था गांव का जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तौधकपुर गांव के विकास कार्यों का जिक्र अपने मन की बात कार्यक्रम में किया था। गांव के ऐप 'स्मार्ट गांव तौधकपुर'की तारीफ की थी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव में हुए कामों की भी प्रशंसा की थी। जिला स्वच्छ भारत प्रेरक के पद पर तैनात निधि के मुताबिक तौधकपुर में सालिड वेस्ट मैनेजमेंट पर भी काम चल रहा है। इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना बन रही है।

डायबिटीज मरीज आंखों का ध्यान रखें

लखनऊ । डायबिटीज मरीजों को आंखों का खास खयाल रखने की जरूरत है। आंखों में परेशानी होने पर डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। क्योंकि डायबिटीज मरीजों में आंखों के पर्दे खराब होने का खतरा सामान्य मरीजों से कई गुना बढ़ जाता है।

विश्व दृष्टि दिवस गुरुवार है। राजाजीपुरम स्थित रानी लक्ष्मीबाई में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके विश्नोई बताते हैं कि यदि इलाज के बावजूद डायबिटीज नियंत्रण में नहीं आ रही है तो उसका फर्क शरीर के दूसरे अंगों पर पडता है। अंग खराब होने लगते हैं। आंखों के पर्दे खराब हो जाते हैं। आंखों में खून की नई नसों का निर्माण होने लगता है। नतीजतन आंख में खून आ जाता है। नतीजतन नजर कमजोर हो जाती है। समय पर इलाज न मिलने से रोशनी तक जा सकती है। डायबिटीज से पीडित पांच से 10 प्रतिशत मरीजों में आंखों के पर्दे से जुडी परेशानी देखने को मिल रही है।

मुफ्त हो रहा ऑपरेशन = डॉ. एसके विश्नोई ने बताया कि मोतियाबिंद की परेशानी भी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि पहले मोतियाबिंद 50 से 60 साल की उम्र पार करने वालों में होता था। अब 25 से 30 साल की उम्र पार करने वालों

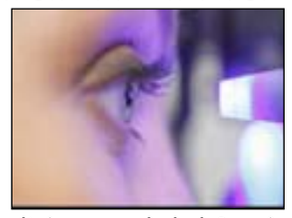

में भी यह समस्या देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त हो रहा है।

पास से टीवी देखे बच्चा तो लें डॉक्टर की सलाह = केजीएमयू नेत्र रोग विभाग के डॉ. सिद्धार्थ अग्रवाल के मुताबिक यदि बच्चा नजदीक से कापी किताब देखता है। टीवी भी नजदीक जाकर देख रहा है तो उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है।

इस पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। कई बार बच्चे की नजर कमजोर होती है। सही समय पर आंख की बीमारी पता लगाकार नियंत्रण पाया जा सकता है। केजीएमयू नेत्र रोग विभाग के डॉ. अरूण शर्मा ने बताया कि नेत्रदान कर लोगों की जिंदगी में उजियारा कर सकते हैं। नेत्रदान के प्रति लोगों में पहले से जागरुकता बडी है। प्रचार कर अभियान को रफ्तार दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि केजीएमयू में कॉर्निया प्रत्यारोपण की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

पूर्व सांसद वीरपाल सिंह ने सपा छोड़ी, मुलायम सिंह के थे करीबी

बरेली । मुलायम वादी पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव ने बुधवार को समाजवादी पार्टी को अलविदा कह दिया। उन्होंने समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अभी उन्होंने कोई पार्टी ज्वाइन नहीं की है लेकिन चर्चा है कि वे शिवपाल सिंह यादव के सेक्युलर मोर्चा में जा सकते हैं। वीरपाल के साथ पूर्व डिप्टी मेयर, बिजनौर के प्रभारी, भूमि विकास बैंक के चेयरमैन, प्रधान बीडीसी सदस्य सहित 50 लोगों ने सपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है।

मालूम हो कि सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के करीबी रहे पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव करीब 20 साल तक बरेली में पार्टी के जिलाध्यक्ष रहे थे। अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को पसीना बहाकर सींचा था, उसे छोडते हुए दुख हो रहा है लेकिन मजबूर हूं। अब यहां बुजुर्गों का सम्मान नहीं रह गया है। अनुशासनहीनता चरम पर है। नेता जी ने जिन सिद्धांतों को लेकर पार्टी बनाई थी, उससे भटक गई है। बीस महीनों से सपा भाजपा की षडयंत्रकारी साजिशों का विरोध नहीं कर पाई। बरेली में दो माह में खैलम और उमरिया गांव में उत्पात हुआ लेकिन सपा का कोई नेता पीडितों का हाल लेने तक नहीं गया। इंतजार कर मैं स्वयं उमरिया गया।

इसके बाद मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई। कोई पार्टी का पदाधिकारी मेरा पक्ष जानना तो दूर फोन से भी हाल नहीं लिया। बकौल वीरपाल, %मैं साम्प्रदायिकता के खिलाफ लडाई लड रहा था लेकिन पार्टी का सहयोग नहीं मिला। स्थानीय स्तर पर कदम कदम पर अपमान अलग मिल रहा था। ऐसे में अब पार्टी में रहने का कोई औचित्य मुझे नहीं लग रहा है।% अंत में वीरपाल ने ये भी कहा कि अखिलेश यादव भी यही चाहते थे लेकिन खुलकर बोल नहीं पा रहे थे। मैंने पार्टी छोडकर अखिलेश यादव की मंशा पूरी कर दी है।

बहराइच के कस्बे में मां दुर्गा की मूर्ति स्थापना को लेकर बवाल, फायरिंग व पथराव, 15 गिरफ्तार

बहराइच । बहराइच जिले के रिसिया कस्बे में स्थित मोहल्ला गायत्री नगर में मूर्ति स्थापना को लेकर बुधवार देर रात दो समुदाय के लोग आमने-सामने आ गए। पथराव के साथ फायरिंग हुई। जिसमें लगभग 20 लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंचे पुलिस और पीएसी के जवानों ने किसी तरह सुबह तक हालात पर काबू पाया। इलाके में चार थाने की पुलिस व एक ट्रक पीएसी के जवान तैनात हैं।

रात में हुए उपद्रव के मामले में 40 नामजद व 250 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। डीएम व एसपी ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। अब तक 15 उपद्रवी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। शेष की धरपकड़ के लिए छापेमारी चल रही है।

रिसिया थाना अंतर्गत कस्बे के मोहल्ला गायत्री नगर में स्थित पूजित कुआं के निकट बुधवार रात 11:30 बजे के आसपास कुछ लोग मां दुर्गा की प्रतिमा लेकर स्थापना करने पहुंचे। जयकारों के बीच प्रतिमा स्थापना का कार्य चल रहा था। इसी दौरान सैकडों की संख्या में एक समुदाय विशेष के लोग मौके पर आ धमके। कहासुनी शुरू हो गई।

इसी बीच भीड में शामिल कुछ उपद्रवियों ने कट्टे से फायरिंग शुरू कर दी। पत्थर भी फेंके। जिससे भगदड मच गई। जमकर पथराव हुआ। यह संघर्ष लगभग एक घंटे तक रुक-रुक कर चला। जिससे मोहल्ले के मार्गों पर ईंट और पत्थर बिछे नजर आ रहे हैं।संघर्ष की सूचना पाकर रिसिया पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन हालात बेकाबू देखकर उच्चाधिकारियों को सूचना दी। इस पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रवींद्र कुमार, खैरीघाट, रानीपुर, कोतवाली देहात, रामगांव, नानपारा व दरगाह थाने की पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। किसी तरह हालात को काबू में किया गया। रात में ही एक ट्रक पीएसी बुलायी गयी।

इस मामले में 40 नामजद व 250 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। सुबह डीएम माला श्रीवास्तव और पुलिस अधीक्षक सभाराज ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। उपद्रवियों की धरपकड के निर्देश दिए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शेष नामजद उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है।

अवकाश से लौटे कुलपति, संभाला कार्यभार

इलाहाबाद । वायरल हुए वाट्सएप चैट और कॉल रिकार्डिंग प्रकरण के विवाद के बाद अवकाश पर गए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रतन लाल हांगलू कुलपति ने बुधवार को सुबह नौ बजे कार्यभार संभाल लिया। कुलपति के कार्यालय पहुंचने की खबर पर बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों के शिक्षकों ने पहुंचकर उनका स्वागत किया। कुलपति के स्वागत और अगवानी के लिए 300 से अधिक शिक्षक पहुंचे। कुलपति ने सुबह नौ से 12.30 बजे के बीच शिक्षकों से मुलाकात की। कुलपति से मुलाकात करने वालों में प्रो. एचएस उपाध्याय, प्रो. योगेश्वर तिवारी, प्रो.आरके सिंह, प्रो. संतोष भदौरिया, वित्त अधिकारी डॉ. सुनील कांत मिश्र, रजिस्ट्रार प्रो. एनके शुक्ल, आटा के महामंत्री प्रो. शिव मोहन प्रसाद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रो. एआर सिद्दीकी, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. ज्योति मिश्रा, डॉ. राजेश गर्ग, प्रो. एए फातमी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल रहे। शिक्षकों से मुलाकात के बाद कुलपति ने विवि के अधिकारियों रजिस्ट्रार प्रो. एनके शुक्ला, वित्त अधिकारी डॉ. सुनील कांत मिश्र, परीक्षा नियंत्रक प्रो. एचएस उपाध्याय, डीएसडब्ल्यू प्रो. हर्ष कुमार, एनएसएस समन्वयक डॉ. मंजू सिंह, पीआरओ चितरंजन कुमार से लंबी बैठक करके रणनीति तय की।

इविवि कुलपति प्रो. रतन लाल हांगलू को लेकर वायरल हुए वाट्सएप चैट और कॉल रिकार्डिंग के विवाद बाद बुधवार को कार्यभार संभाल लेने के बाद विवि परिसर में कुलपति और विवि के शिक्षकों के खिलाफ अपमान जनक नारे लिखे गए हैं। कुलपति का समर्थन करने वाले कई चर्चित शिक्षकों को टारगेट करके परिसर में पेंट से लिखा गया है। कुलपति के परिसर में लौटने पर छात्रों ने विवि में पढ़ाई कर रही छात्राओं की सुरक्षा का सवाल खड़ा किया है, उनका कहना है कि इविवि की एक पूर्व छात्रा से चैटिंग को लेकर विवाद में आए कुलपति से हमारी बहनें सुरक्षित नहीं हैं।

कुलपति के परिसर में लौटने पर इविवि छात्रसंघ की पूर्व अध्यक्ष ऋचा सिंह, पूर्व अध्यक्ष रोहित मिश्र, आनंद सिंह निक्कू, रजनीश सिंह रीशू सहित बड़ी संख्या में छात्रों का कहना है कि कुलपति ने दावा किया था कि जब तक उनपर आरोप है, वह कैंपस नहीं आएंगे। छात्रों ने कहा कि कुलपति के लोगों ने मनमाने तरीके से जांच कमेटी गठित कर कुलपति को क्लीनचिट दे दी है, यह जांच विवि के किसी छात्र और आम नागरिक को मंजूर नहीं है। ऐसे में कुलपति ने परिसर में लौटकर वादाखिलाफी की है।

इन छात्रों का कहना है कि कुलपति को कार्यालय में नहीं बैठने दिया जाएगा। इसके लिए बृहस्पतिवार से आंदोलन तेज होगा। इन छात्रों ने कुलपति के समर्थन में आए शिक्षकों के बारे में सवाल खड़ा किया है कि आखिर में कुलपति कौन सा सम्मान अथवा जंग जीत कर आए है कि उनके स्वागत के लिए इतनी बड़ी संख्या में शिक्षक पहुंच गए। छात्रों इन शिक्षकों से भी अपनी बहनों की सुरक्षा की मांग की है।

इविवि छात्रसंघ की पूर्व अध्यक्ष ऋचा सिंह ने कुलपति के कैंपस वापस आने के बाद बुधवार को विवि के विजिटर एवं राष्ट्रपति को पत्र लिखकर प्रो. रतन लाल हांगलू के अब तक के कार्यकाल में नियमों की मनमानी की शिकायत की है। उन्होंने अपने पत्र में राष्ट्रपति से मांग की है कि कुलपति पर लगे आरोपों को ध्यान में रखकर उनको निलंबित करके उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए। ऋचा ने अपने पत्र में कुलपति पर लगे आरोपों की जांच के लिए गठित कमेटी को अवैध बताया। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि केंद्र सरकार ने कुलपति के खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो विवि में उग्र आंदोलन होगा, इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी।

जौनपुर में टला बड़ा हादसा, टूटी पटरी से गुजरने के पहले रोकी गई किसान एक्सप्रेस

जौनपुर । उत्तर प्रदेश के रायबरेली में बुधवार को फरक्का एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने के जांच ही चल रही है कि गुरुवार को जौनपुर में रेल पटरी टूटी मिलने से खलबली फैल गई। शाहगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर टूटे रेलवे ट्रैक पर आरपीएफ के जवान श्यामसुंदर की नजर पड़ी।

उसने आनन फानन में इसकी सूचना रेलवे प्रसासन को दी। इस प्लेटफार्म पर थोडी ही देर में किसान एक्सप्रेस आने वाली थी। पटरी टूटी मिलने की सूचना के बाद ट्रेन को रोका गया और दूसरे प्लेटफार्म पर ले जाया गया। मौके पर पहुंचे रेलवे इंजीनियरों ने घंटों मेहनत के बाद लाइन ठीक की।

इंजीनियरिंग विभाग की टीम मौके पर पहंच पटरी को दुरुस्त करने में जुटी।

इस दौरान पूरे स्टेशन पर एक ही चर्चा रही कि अगर टूटे रेलवे ट्रैक पर नजर नहीं पड़ती तो कोई अनहोनी जरूर होती।

सूरत। कनकपुर में पुलिस चौकी की शुरुआत सूरत पुलिस कमिश्नर सतिष शर्मा ने की। सचिन विस्तार में आने वाले कनकपुर नगर पालिका में नवनिमार्ण करके आधुनिक सुविधाओं से पुलिस चौकी को युक्त किया गया। इस प्रोग्राम में कनकपुर के निवासियों ने भाग लिया।

नवली नवरात्रि के दुसरी रात जी भरकर झुमे खेलैया

सूरत। गुजरातियों का प्रिय त्योहार नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है। महीनों से गरबा खेलने का इंतजार कर रहे खेलैयाओं के लिए नवली नवरात्रि का दुसरे दिन काफी मौजों में बीता। राज्य भर के सभी शहरों में विविध क्लबों, पार्टी प्लॉट और मैदानों में अधिक पैमाने पर नवरात्रि के आयोजन हुए हैं। गुजरातियों ने जी भरकर पहले नवरात्रि का आनंद लिया। विविध पहनावे में आए खेलैयाओं ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समग्र राज्य नवरात्रि के दुसरी रात से ही गरबा के आनंद में हिलोरें लेने लगा है।

युवती को साझेदार ने दिया धोखा, की 2.39 करोड़ की धोखाधड़ी

सूरत। शहर मोटा वराछा इलाके में जमीन व्यवसाय से जुड़ी युवती को साझेदा दंपति ने धोखा देकर 2.39 करोड़ की धोखाधड़ी करने की घटना प्रकाश में आयी है।

उमरा पुलिस सूत्रों के अनुसार मोटा वराछा सेटेलाइट रोड श्रीनिधि रेसीडेन्सी निवासी सिद्धिबेन सुरेश पंडचा ने साझेदार जहांगीरपुरा, इस्कॉन मंदिर, सत्यारंगराग रेसीडेन्सी निवासी प्रशांत प्रकाश सिंह और प्रीतिबेन प्रशांत सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। इसमे में बताया कि उनकी मगदल्ला रूंढ गांव रेवन्यु सर्वे नं 20/8, नया रेवन्यु सर्वे नं. 58 जिसका टी.पी. नं.4 एफ. पी. नंबर-24 से दर्ज जमीन में साकार हुए राजमंदिर कोर्नर में दुकान के नाम पर है। आरोपियों ने सिद्धिबेन को बताये बिना पुराने दस्तावेज के आधार पर आंध्रा बैंक से 2,39,50,000 रूपए की मोर्गेज लोन लेकर धोखाधड़ी की। इसके बारे में पता चलने पर सिद्धिबेन पंड्या ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवायी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बॉलिवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर फैंस ने शुभकामनाएं दी। अहमदाबाद में अमिताभ के डाय हार्ट फेन और अमिताभ के लुक में अधिकतर रहते फैंस ने भी जन्मदिन को मनाया।

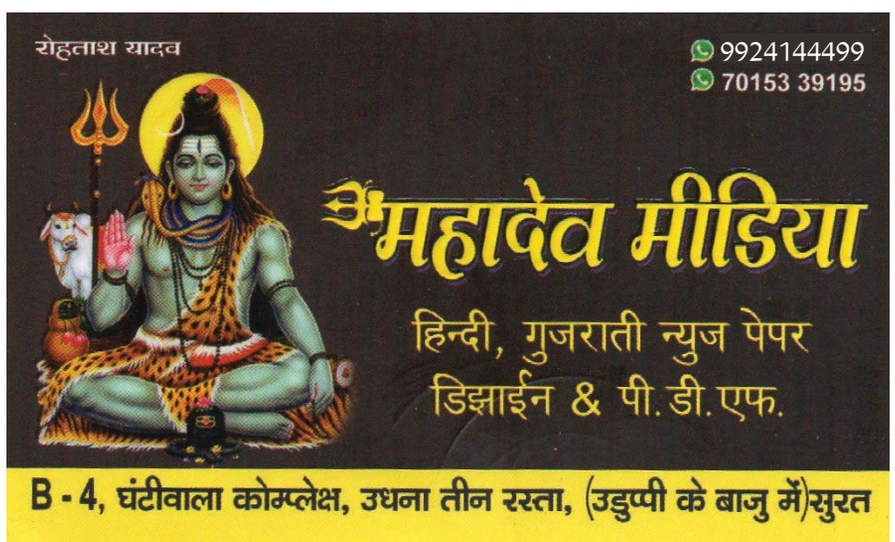

राजीव नगर में धनुष यज्ञ, रावण-बाणासुर व परशुराम- लक्ष्मण संवाद लीला का हुआ मंचन

श्री सार्वजनिक रामलीला समिति द्वारा आयोजन

सूरत। उमरवाडा के राजीव नगर पुलिस चौकी के पास श्री सार्वजनिक रामलीला समिति की ओर से मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्श पर आधारित रामलीला मंचन के चौथे दिन गुरुवार को समिति के कलाकारों द्वारा रावण-बाणासुर संवाद,धनुष यज्ञ व परशुराम संवाद लीला का मंचन किया है। लीला मंचन के दौरान त्रिपुरारी मिश्रा ने रावण, शिवम् पाण्डेय ने राम, पवन मिश्रा ने लक्ष्मण, काली प्रसाद पाण्डेय ने जनक, गंगाराम शर्मा ने परशुराम, जोगिन्दर पाण्डेय ने बाणा सुर, सत्यनारायण शुक्ला ने विश्वामित्र, सुरेन्द्र पाण्डेय ने सीता, प्रिंस शुक्ला ने जनकनंदनी के चरित्र का सजीव मंचन के दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। रामलीला के दौरान संस्थापक रमेश तिवारी, अध्यक्ष अम्बिका तिवारी, महामंत्री गंगाराम शर्मा, प्रबंधक उमाशंकर मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

पांडेसरा में लूट मामले में एक गिरफ्तार

सूरत। शहर के पांडेसरा इलाके में एक साल पहले बाइक सवाार के साथ मारपीट कर लूटने के मामले में पुलिस ने एक श स को गिर तार किया है।

पांडेसरा पुलिस सूत्रों के अनुसार पूर्व सूचना के आधार पर गोवालक रोड गणेशनगर निकट से लूट के मामले में शामिल रामकिशन उर्फ किशन लक्ष्मीदीन भुरजी को गिर तार किया। पुलिस की पूछताछ में रामकिशन ने एक वर्ष पहले साथियों के साथ अलथाण बमरोली ब्रिज निकट बाइक चालक के साथ मारपीट कर 12 हजार रूपये लूटने की बात कबूली। जिसके आधार पर उसे गिर तार कर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

नवरात्र के दूसरे दिन पूजी गई माँ ब्रम्हचारिणी

सूरत। शहर में पांडेसरा, उधना, भेस्तान, सचिन, अमरोली, वराछा, भागल, चौक, वेडरोड, वेसु, सिटी लाइट सहित अन्य इलाके में नवरात्र पर्व के दूसरे दिन गुरुवार को माँ भगवती के दूसरे स्वरूप की भक्तो ने पूजा आराधना की। शहर के इनडोर स्टेडियम सहित विभिन्न सोसायटियो में खेलैयाओ ने गरबा रास व डांडिया पर जम कर थिरके। पांडेसरा के रणछोड़ नगर- गीता नगर में गुरुवार सुबह माँ ब्रम्ह्चारिणी की श्रदालुओ ने पूजा अर्चना ०आरती की। आरती करने वालो में हरिराम जायसवाल, राजू जायसवाल, सुशील राजपूत, अंकिता, जिया, कशिश, नंदनी वीना, मेघा राजपूत, मनोज दुबे, संजीव जायसवाल सहित अन्य भक्त मौजूद रहे।

कपड़ा कारोबारी ने अन्य व्यापारी के साथ की 3.87 लाख की ठगी

सूरत। शहर के कपड़ा करोबारी ने अन्य व्यापारी के पास से 3.87 लाख का साड़ी का माल खरीदी करने के बाद पेमेन्ट नहीं चुकाकर दुकान बंद कर पलायन करने की घटना प्रकाश में आयी है। व्यापारी ने कारोबारी समेत पांच जनों क खिलाफ शिकायत दर्ज करवायी है।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों के मुताबिक पार्ले के शिवमंगल एपार्टमेन्ट निवासी व्यापारी राहुल विनोद अग्रवाल से रिंग रोड कोहीनूर मार्केट में महावीर फैशन फर्म के नाम से व्यवसाय करनेवाला हिमांशु वर्मा, देवेन्द्र वर्मा और जयेश ने दलाल अमन नंदकिशोर खंडारी और नंदकिशोर खंडारी के माध्यम से 60 दिन में भुगतान चुकाने का वादा कर 6,12,048 रूपए का साड़ी का माल खरीदा था। जिसमें से 2,19,629 रूपए चुकाये लेकिन बाकी के बकाया 3,87,795 रूपए की आए दिन वसूली करने के बावजूद भी नहीं चुकाकर दुकान बंद कर फरार हो गया। राहुल अग्रवाल की शिकायत के आधार पर व्यापारी समेत पांच जनों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

व्यापारी के साथ लाखों रूपयों की धोखाधड़ी

सूरत। शहर के पुणागाम के व्यापारी के पास से जॉबवर्क करवाने बहाने साड़ी और रो मटीरियल डायमंड लेसपट्टी का माल लेने के बाद 29.12 लाख की ठगी करनेवाले टोी खिलाफ पुलिस थाने में तहरीर्र दर्ज करवायी गई है। पुणा पुलिस सूत्रों के अनुसार पुणागाम स्थित विक्रम नगर निवासी अश्विन कुरजी डाभी का रणछोडनगर नया फलिया में दुकान हैं। उनके पास से अगस्त माह में कामरेज रिद्धि सिद्धि रो हाउस निवासी सुरेश उर्फ शैलेष वघासिया, लालजी, कल्पेश कवाड, जयंति और पीयुष बलर साड़ी पर जॉबवर्क करवाने के बहाने 26,12,150 कीमत की साड़ी 9743 नग और 3 लाख रूपए की कीमत के रो-मटीरियल डायमंड लेसपट्टी बुट्टा समेत 2912150 रूपए का माल लेने के बाद वापस नहीं लौटाकर धोखाधड़ी की। पुलिस ने अश्विन वघासिया की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

पुलिस ने १२ आरोपियों को गिरफ्तार करने पर सनसनी

अहमदाबाद। साबरकांठा के ढुंढर गांव में १४ महीने की बच्ची पर परप्रांतीय युवक द्वारा किए गए बलात्कार की घटना के बाद अहमदाबाद जिले में परप्रांतीयों को निकालने के लिए सोशल मीडिया पर मैसेज और कंपनियों में जाकर धमकी दी जाती थी।

इस मामले में अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस द्वारा पहले सोशल मीडिया में अफवाह फैलाने वाले तथा भीड़ के विरूद्ध अपराध दर्ज करके उनको गिरफ्तार किया गया अब इस मामले में अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस ने और दो अपराध दर्ज करके कुल १२ आरोपियों को गिरफ्तार करने पर सनसनी मच गई। दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की घटनाएं बढ़ रही होने से ग्रामीण पुलिस ने पूरे क्षेत्र में पेट्रोलिंग और जांच में तेजी लाई गई है।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद जिला के बगोदरा गांव में रहते जिज्ञेश जादव, सुरेश रावल, जगमाल ठाकोर सहित के लोगों ने जय गजानंद नाम के एक वॉट्सएप ग्रुप में मैसेज वायरल किया गया, जिसमें लिखा था कि धोली गांव जीआईडीसी में एक हजार कदवाओं को बाहर निकालो तो एक हजार गुजराती लड़के को नौकरी लग जाएगी। ऐसा मैसेज वायरल किया गया। इस मामले में बगोदरा पुलिस को जानकारी मिलने पर पुलिस ने जांच की और कुल छह शख्स को सोशल मीडिया में वर्ग विग्रह फैले ऐसे भड़काऊ मैसेज फॉरवर्ड करने पर उनके विरूद्ध में अपराध दर्ज करके उसे गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा सोशल मीडिया में परप्रांतीय को नौकरी में से निकालने के लिए और भगाने के लिए मैसेज तथा वीडियो संदर्भ में बावला पुलिस को एक वीडियो मिला था, जिसमें २० से २५ लोगों की भीड़ डंडा और हथियारों के साथ एक कारखाने पर जाकर मजदूरों को धमकी देकर कारखाना छोड़ देने की धमकी देते थे।

ट्रेनों के लिए रोजाना १०००० टिकटों की बिक्री

परप्रांतीय का पलायन चालू रहने से सरकार की चिंता बढ़ी

सरकार और पुलिस द्वारा सुरक्षा का आश्वासन होने के बावजूद भी परप्रांतीय का पलायन चालू रहने से चिंता

अहमदाबाद। परप्रांतीययों का उत्तर भारत जाना लगातार जारी है इसके कारण उत्तर भारत की तरफ जा रही ट्रेनें हाउसफुल हो रही है। गुरुवार को अहमदाबाद से चलती और उत्तर भारत तरफ जाती ट्रेनों की वेइटिंग २५० को पार कर गया। यह सिर्फ रिजर्वेशन की बात है, जबकि जनरल कोच की टिकट की बिक्री बढ़ी है। पिछले चार-पांच दिन से हररोज १० हजार से ज्यादा अनरिजर्व्ड रेल टिकटों की बिक्री हो रही है। दूसरी तरफ, सरकार और पुलिस द्वारा सुरक्षा का आश्वासन होने के बावजूद भी परप्रांतीय का पलायन चालू रहने से सरकार की चिंता बढ़ गई है।

पिछले पांच दिनों के दौरान ५० हजार से ज्यादा अनरिजर्व्ड रेल टिकटों की बिक्री हो चुकी है। कई यात्री अहमदाबाद के अलावा आसपास के स्टेशन से ट्रेन में जगह मिले इसके लिए बोर्डिंग कर रहे है। इतनी टिकटों की बिक्री यह सिर्फ परप्रांतीय के साथ हुई घटना नहीं है, लेकिन निकट के समय में आ रहे छठपूजा का त्यौहार और दीवाली भी और दो कारण माने जा रहे है।

रेलवे के सूत्रों ने बताया है कि, पिछले पांच दिनों के दौरान उत्तर भारत की तरफ जा रही ट्रेनों की बिक्री बड़ी संख्या में बढ़ गई है। अगस्त और जुलाई महीने में एवरेज टिकटों की बिक्री दो लाख के करीब था। जबकि इस महीने में पांच ही दिन का एवरेज बिक्री दो लाख से बढ़ गया है। यह परप्रांतीय यात्री है यह कहना मुश्किल है, लेकिन फिलहाल में माहौल ठीक नहीं लगने पर वतन की तरफ जा रहे यात्रियों की संख्या भी काफी है यह मामला उल्लेखनीय है। कई मामलों में वह निजी कारणों से जा रहे हो ऐसा हो सकता है। यह सिर्फ रेलवे स्टेशन की बात है यानी कि रेलवे यात्रियों की बात है। दूसरी तरफ एसटी बसें भी सामान्य रूप से त्यौहारों की सीजन गर्मी और दीवाली वेकेशन में उत्तर भारत की तरफ जाती ट्रेनें हाउसफुल हो जाती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com